Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–109

B.A. (Part–III) DUE Ist Year Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **50** शब्द) :

   (i) बीसलदेव रासो के रचनाकार का नाम बताइए।

   (ii) विद्यापति पदावली की भाषा कौनसी है ?

(iii) अमीर खुसरो की **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

(iv) कबीर के काव्य की **दो** विशेषताएँ बताइए।

(v) 'ऐसी मूढ़ता या मनकी' तुलसीदास के अनुसार मन की मूढ़ता क्या है ?

(vi) कबीरदास के अनुसार ईश्वर कहाँ है ?

(vii) रसखान मनुष्य होकर कहाँ बसना चाहते हैं ?

(viii) कृष्ण भक्त चार कवियों के नाम लिखिए।

(ix) उत्प्रेक्षा अलंकार सोदाहरण बताइए।

(x) शब्द-शक्तियों के नाम लिखिए।

खण्ड–ब प्रत्येक 8

निम्नलिखित पद्यावतरणों में से किन्हीं **पाँच** पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द) :

2. नन्दक नन्दन कदम्बक तरु-तर, धिरे-धिरे मुरलि बजाव।

समय संकेत-निकेतन बइसल, बेरि-बेरि बोलि पठाव।

सामरि, तोरा लागि, अनुखन विकल मुरारि।

जमुनाक तिर उपवन उद्‌बेगल, फिरि-फिरि ततहि निहारि।

गोरस बेचए-अबइत-जाइत जनि-जनि पुछ बनमारि।

ताहि मति मान सुमति मधु सूदन, बचन सुनह किछु मोरा।

भनइ विद्यापति सुनु बर जौबति बन्दह नन्द किसोरा।

3. मनहुँ कला ससिभान कला सोलह सो बन्निय।

बाल वैस, ससि ता समीप अम्रित रस पिन्निय॥

बिगंसि कमल-स्त्रिग, भ्रमर, बेनु, खंजन म्रिग लुट्टिय।

हीर, कीर अरु बिंब, मोती नष-सिष अहि छुट्टिय॥

छप्पति गयन्द हरि हंस गति, विह बनाय संचै सचिय।

पद्मिनिय रूप पद्मावतिय, मनहुं काम कामिनि रचिय॥

4. मोरपखा सिर ऊपर राखिहौ गुंज की माल गरें पहिरौगी।

ओढ़ि पितंबर लै लकुटी बन गोधन ग्वारनि संग फिरौंगी॥

भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वांग करौंगी।

या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी॥

5. बाबा, म देइस मारूवाँ, वर कूँ आरि रहेसि

हाथि कचोळउ, सिर धड़उ, सीचंती य मरेसि॥

मारु, थाँकइ दे सड़इ, एक न भाजइ रिड्ड।

ऊचाळउ के अवरसणउ, कइ काकउ, कई तिड्ड॥

जिण भुइ पन्नग पीयणा, कयर-कँटाळा रूँख।

आके फोगे छाँहड़ी, हूँछाँ भाँजइ भूख॥

6. अब कैसे छूटे-राम रट लागी।

प्रभु जी तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग-अंग वास समानी।

प्रभु जी तुम धन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा॥

प्रभु जी तुम दीपक हम बाती, जाकी जोत जरै दिन राति॥

प्रभु जी तुम मोती हम धागा, जैसे सोहनि मिलत सोहागा॥

प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भगति करै रैदासा॥

7. सेज पड़ी मोरे आँखों आए,

डाल सेज सोहे मजा दिखाए

किस से कहूँ अब मजा में अपना

ऐ सखि साजन ? ना सखि सपना।

शोभा सदा बढ़ावन हारा

आँखिन से छिन होत न न्यारा

आठ पहर मेरो मनोरंजन

ऐ सखि साजन ? ना सखि अंजन।

8. कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो।

श्री रघुनाथ-कृपाल, कृपा तें संत सुभाव गहौंगो॥

जया लाभ संतोष सदा, काहू सौ कछु न चहौंगो।

पर-हित-निरत निरंतर, मन क्रम बचन नेम निबहौंगो।

परुष वचन अति दुसह श्रवन सुनि तेहि पावक न दहौंगो।

बिगत मान सीतल मन, पर-गुन नहिं दोष कहौंगो॥

परिहरि देह-जनित चिंता, दुख-सुख समबुद्धि सहौंगो।

तुलसिदास प्रभु यहि पथ रही अविचल हरि-भगति लहौंगो।

खण्ड–स प्रत्येक 20

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

9. पद्मावती समय के काव्य-सौंदर्य पर आलोचनात्मक लेख लिखिए।

10. मीरा की भक्ति-भावना पर अपने विचार लिखिए।

11. निर्गुण भक्तिकाव्य की विशेषताएँ बताइए।

12. काव्य-गुण किसे कहते हैं ? काव्य-गुण सोदाहरण बताइए।